पात्र-परिचय

पुरुष-पात्र

ब्रह्म—	जगत्पिता, देवताओं के सहायक
विष्णु—	जगत्पालक, देवताओं के सहायक
वामन—	जगत्पालक विष्णु का छद्म रूप
छत्रधारी—	देव-सम्राट् इंद्र का छद्म रूप
इंद्र—	देवताओं के सम्राट्
चंद्रमा अग्नि वरुण	देवगण, इंद्र के सभासद
वृहस्पति—	देवताओं के गुरु
प्रह्लाद—	बलि के प्रपितामह
बलि—	दानवों के सम्राट्
बाणासुर कालनेमि ह्लाद मय	दानव सेना-नायक, बलि के सभासद
शुक्राचार्य—	दानवों के गुरु
(चर, दूत इत्यादि)	

नारी-पात्र

विंध्याचली—	बलि की पत्नी
उर्वशी रंभा मेनका तिलोत्तमा	अप्सरायें

स्थान-परिचय

स्वर्ग की राजधानी अमरावती की राजसभा, नंदनवन, सत्यलोक-स्थित ब्रह्मा का सभाकक्ष, स्वर्गस्थित यज्ञमंडप।